रखा गया । देखिये संख्या एल० टी० 493 77]

गुजरात रिफाईनरी में श्रमिकों द्वारा हड़ताल

1621. श्री धर्मसिंह भाई पटेल : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) क्या गुजरात रिफाइनरी में श्रमिकों ने मई, 1977 में हड़ताल की थी, यदि हां, तो हड़ताल कितने समय तक रही ;

(ख) हड़ताल में कितने श्रमिकों ने भाग लिया ; और इस हड़ताल से कितने जन घन्टों तथा कितने उत्पादन की हानि हुई ; और

(ग) क्या हड़ताल समाप्त करने के लिए कोई प्रयत्न किया गया और यदि हां, तो किसने ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) से (ग): यह मामला वस्तुत: राज्य क्षेत्र में आता है। उपलब्ध सूचना के अनुसार, गुजरात रिफाइनरी के श्रमिक 9 मई से 19 मई, 1977 तक हड़ताल पर थे । किसी एक दिन हड़ताल पर गए श्रमिकों की अधिकतम संख्या 1250 थी । मुख्य मंत्री और राज्य श्रम मंत्री तथा केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री के हस्ताक्षेप करने पर संबंधित पक्षों के बीच समझौता हो जाने के फलस्वरूप हड़ताल 20 मई, 1977 को समाप्त हो गई । हड़ताल के कारण नष्ट हुए श्रम घंटों की संख्या 73,736 बताई गई है और प्रबन्धकों के अनुसार हड़ताल के कारण 59,400 मीटरी टन कच्चे तेल का शोधन नहीं किया जा सका ।

Discussions with U.S. Ambassador

1622. SHRI NIHAR LASKAR: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the new Ambassador of U.S. to India had brought some proposals from the U.S. Government for improvement of relations between the two countries;

(b) if so, whether Indian Government have discussed these proposals with him;

(c) the main points of the proposals and how far Government of India have agreed to them; and

(d) whether any agreement has been signed as a result of discussions held with him?

THE MINISTER OF EXTRNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) to (d). The new U.S. Ambassador brought the greetings of President Carter and conveyed the desire of the U.S. Administration to develop closer relations with India and join in working for the benefit of all peoples.

No specific proposals have been put forward by the Ambassador, but the possibilities of improvement of relations are being explored as and when specific issues come up for discussion.